Tc.No. : GUJHIN00722

पेज: 4, मुल्य 1 रु.

दैनिक

क्रांति समय

संस्थापक / संपादक : सुरेश मौर्या

E-mail: krantisamay@gmail.com, www.krantisamay.com

वर्ष: 2 अंक: 201 , 27 दिसम्बर, बुधवार 2017, सूरत, हिन्दी दैनिक मो. 9879141480

4 ओ ब्लॉक आगम नवकार कॉम्पलेक्स, सचीन रेल्वे स्टेशन के पास, सूरत-गुजरात

सार समाचार

आप पदाधिकारियों की बैठक

नई दिल्ली। आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर आप की पश्चिमी दिल्ली में बैठक हुई, जिसकी अध्यक्षता वरिष्ठ नेता गोपाल राय ने की। इसमें संबंधित संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली विधानसभाओं के पदाधिकारी और विधायकों ने भी शिरकत की। जनकपुरी, तिलकनगर, हरीनगर, नजफगढ़, मटियाला, मादीपुर, राजौरी गार्डन, विकासपुरी, उत्तमनगर और द्वारका विधानसभाओं के पदाधिकारी शामिल हुए। बैठक में विधायक कैलाश गहलोत, गुलाब सिंह, जरनैल सिंह, जगदीप, नरेश बाल्यान, महेन्द्र यादव, राजेश ऋषि, गिरीश सोनी और आदर्श शास्त्री शामिल हुए। बैठक में यह तय किया गया कि संबंधित ज़िलास्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन जनवरी और फरवरी माह में होगा, जिसके तहत 11 जनवरी को द्वारका और 6 फरवरी को जनकपुरी में ये जिला सम्मेलन आयोजित होंगे।

एक भी वादा पूरा नहीं किया केजरीवाल सरकार ने : गुप्ता

नई दिल्ली। दिल्ली विधान सभा में नेता प्रतिपक्ष विजेन्द्र गुप्ता ने केजरीवाल सरकार की निंदा करते हुए कहा कि केजरीवाल सरकार ने 70 सूत्रीय एक्शन प्लान के क्रियान्वन के लिए दिल्ली डायलॉग कमीशन का गठन किया था। केजरीवाल सरकार ेत पत्र जारी करे कि करोड़ों रु पए खर्च करने के बाद कितने वादे पूरे हुए। तीन वर्ष बाद भी सरकार एक भी वायदा पूरा नहीं कर सकी है।नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि चाहे महिलाओं की सुरक्षा का मामला हो, बसों में माशर्ल तैनात करने की बात हो, झुग्गी-झोपड़ी में रहने वाले लोगों को पक्के फ्लैट उपलब्ध करवाने का मामला हो या फिर अनियमित कॉलोनियों नियमित करने की बात हो, हर मोर्चे पर केजरीवाल सरकार पूरी तरह विफ ल रही है। अपने पूर्व की सरकारों द्वारा अधूरे छोड़े गए फ्लाईओवर व सड़कों के निर्माण जैसे कार्य भी पूरे नहीं कर पाई है। इसमें सिग्नेचर ब्रिज एवं विकासपुरी से वजीराबाद तक बाहरी रिंग रोड को सिग्नल फ्री बनाने की योजना भी शामिल है। लोग निजी अस्पतालों की ओर रुख करने को मजबूर हैं।

कैब में युवती से गैंगरेप के दो आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली। कैब में युवती से गैंगरेप मामले में द्वारका पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है, जिसमें कैब चालक भी शामिल है। पीड़िता की हालत सामान्य बताई जा रही है। पुलिस पीड़िता की काउंसलिंग कराई जाएगी।उल्लेखनीय है कि शनिवार रात गुरु ग्राम से दिल्ली आ रही 19 वर्षीया युवती को लिफ्ट देकर कैब चालक ने साथियों के साथ अगवा कर राजधानी की सड़कों पर चार घंटों तक घुमाते रहे। इस दौरान आरोपियों ने युवती से दुष्कर्म किया। बाद में उन्होंने पीड़िता को द्वारका सेक्टर-21 मेट्रो स्टेशन के गेट के सामने फेंककर फरार हो गए। द्वारका सेक्टर-23 पुलिस ने इस बाबत मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस को सीसीटीवी कैमरे एवं कॉल डिटेल के आधार पर आरोपियों के बारे में जानकारी मिली। इसके बाद पुलिस ने कैब चालक विदुर को गिरफ्तार कर लिया। बाद में इसकी निशानदेही पर एक अन्य साथी आरोपी सुमित को भी गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों ने बताया कि दोनों गुरु ग्राम में रहते हैं और घटना वाली रात नशे में लूटपाट के इरादे से निकले थे। इसी दौरान उन्होंने पीड़िता अगवा कर लिया।

ओवैसी के सरकारी बंगले पर उत्पात

नई दिल्ली। नई दिल्ली के संसद मार्ग थाना इलाके में स्थित अशोक रोड स्थित ऑल इंडिया मज्लिस -ए- इतेहदुल मुस्लमीन पार्टी के अध्यक्ष एवं हैदराबाद से सांसद असदुद्दीन ओवैसी के 34 नंबर बंगले पर सोमवार को कुछ लोगों द्वारा उत्पात मचाया। हंगामा कर रहे लोग खुद को राष्ट्र स्वाभिमान दल के कार्यकर्ता बता रहे थे। बताया जाता है कि ये लोग भगवा झंडा फहरा रहे थे। खास बात यह है कि दिल्ली के अतिसुरक्षित क्षेत्र माने जाने वाले इस इलाके से इस तरह की घटना सामने आई है।

छात्रा की बहादुरी से पकड़ा गया झपटमार

नई दिल्ली। बस में छात्रा का मोबाइल झपटकर भाग रहे तीन बदमाशों में से एक को छात्रा ने दबोच लिया, जबकि दो फरार हो गए। इसके बाद बदमाश को पुलिस के हवाले कर दिया। पकड़े गए आरोपी की पहचान अबरार (19) के तौर पर हुई। छात्रा कंचन को बहादुरी के लिए सोमवार को नंदनगरी एसीपी सुबोध गोस्वामी ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। कंचन परिवार के साथ मंडोली एक्सटेंशन में रहती है और दिलशाद गार्डन स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन एंड ट्रेनिंग से ईटीई का कोर्स कर रही है।

पंडित मदन मोहन मालवीय की जयंती पर उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करते

भाजपा नेता संजय जोशी, गायक शंकर साहनी ने किया सम्मानित

महिलाओं को मिला 'आधी आबादी वूमेन्स एचीवर्स' अवार्ड

नई दिल्ली। भाजपा नेता संजय जोशी, पंजाबी पॉप गायक शंकर साहनी, फिल्म निर्देशक धीरज कुमार, निर्माता मनीष किशोर ने यहां आयोजित समारोह में समाज के विभिन्न क्षेत्रों से जुडी डेढ़ दर्जन से अधिक महिलाओं को 9वां ''आधी आबादी वूमेन्स एचीर्वस अवार्ड' से नवाजा। सम्मान पाने वाली महिलाओं में धारावाहिक ''भाभी जी घर पर हैं' की अभिनेत्री शुभांगी अत्री, दूरदर्शन पर धारावाहिक ''हम लोग' से सुर्खियों में आयी अभिनेत्री जयश्री अरोड़ा, जी न्यूज की एंकर मिमांसा मलिक, गृहणी हिरामनी देवी आदि शामिल है। कार्यक्रम का आयोजन आधी आबादी फ ाउंडेशन, रीयल फ ाउंडेशन और आस एनजीओ ने संयुक्त रूप से किया था।

महिलाओं को सम्मानित करते हुए संजय जोशी ने कहा कि आधी आबादी को सम्मानित किया जाना एक तरह से पूरी आबादी को सम्मानित करना है। उन्होंने कहा कि महिलाओं के बैगर समाज की कल्पना नहीं की जा सकती है। जो समाज महिलाओं को सम्मान और इज्जत देता है वह समाज हमेशा उन्नति करता है। उन्होंने कार्यक्रम में देरी से आने के लिए खेद व्यक्त किया। इस मौके पर फाउंडेशन के

अभिनेत्री जयश्री अरोड़ा, शुभांगी अत्री, एशियन गेम में गोल्ड मेडल हासिल करने वाली वॉलीबॉल खिलाड़ी

सीईओ दिनेश सिंह ने कहा कि वह आधी आबादी को सम्मानित करके खुद को सम्मानित महसूस करते हैं। उन्होंने कहा कि समाज के विभिन्न क्षेत्रो में सैकड़ों नहीं हजारों ऐसी महिलाएं हैं जो खामोश रहकर समाज में पर्वितन लाने का काम कर रही है।

वह जहां है अपने स्तर पर कुछ न कुछ साकारात्मक बदलाव के लिए काम कर रही है। ऐसी महिलाओं को सम्मानित करना उनके हौसले को बढाना है।

इस मौके पर एशियन गेम में गोल्ड मेडल जीतने वाली बॉलीबॉल खिलाड़ी प्रियंका अशोक खेडकर, अभिनेत्री सोनिया शर्मा, अभिनेत्री अंजुम फ कीह, हरियाणा पुलिस एकेडमी मधुबन में आईजीपी डा. सुमन मंजरी, सीरियल प्रोडयूसर बेनिफर कोहली, मॉडल अंशु राणा, फिक्की लेडी ऑर्गनाइजेशन की अध्यक्ष अनुराधा गोयल आदि को सम्मानित किया गया। इस मौके पर अभिनेत्री मिताली नाग, ेता चौधरी, यामीनी ठाकुर, रेशा कोंकर और जरा खान ने गीत संगीत के कार्यक्रम पेश किये।

3700 करोड़ की ऑनलाइन ठगी की आरोपी आयुषी मित्तल गिरफ्तार

नई दिल्ली। नोएडा एसटीएफ और यूपी पुलिस की एसआईटी ने मंगलवार शाम पुणे में एक फ्लैट से 3700 करोड़ की ऑनलाइन ठगी की आरोपी आयुषी मित्तल को गिरफ्तार किया।

आयुषी सोशल ट्रेड के नाम पर महाठगी करने वाले अनुभव मित्तल की पत्नी है। वह कानपुर की रहने वाली है। उसके खिलाफ गाजियाबाद कोर्ट से गैर जमानती वारंट जारी हुए थे।

7 लाख लोगों से 3700 करोड़ रुपये की ठगी के इस मामले में अनुभव के पिता सुनील मित्तल और उसकी पत्नी आयुषी को भी आरोपी बनाया गया है। आरोपी अनुभव को यूपी एसटीएफ ने 2 फरवरी, 2017 को ही गिरफ्तार कर लिया था। इसके बाद मई में सुनील मित्तल को गिरफ्तार किया गया।

मई में हुई थी चार्जशीट दाखिल

एसटीएफ की विंग एसआईटी ने मई में इस मामले में एबलेज इंफो सोल्यूशन कंपनी के मालिक अनुभव मित्तल समेत छह लोगों के खिलाफ 37000 पेज की चार्जशीट कोर्ट में दाखिल की थी। आयुषी कंपनी की डायरेक्टर थी। अनुभव मित्तल यूपी में हापुड़ के पिलखुआ कस्बे का रहने वाला है। blaze Info?Solutions owner Abhinav Mittal (centre)

3700 करोड़ की ऑनलाइन ठगी करने वाला अनुभव मित्तल ऐसे चलाता था धंधा

ब्लेज इंफो सॉल्यूशंस की वेबसाइट पर आने वाले लिंक को 'लाइक' कर कमीशन मिलने के खेल में लाखों लोग फंसे थे।

एनसीआर में ही इस कंपनी के तीन लाख से ज्यादा लोग फर्जीवाड़े के शिकार हुए हैं। कंपनी ने काफी कम समय में अपने खातों में मोटी रकम जमा कर ली थी। यह 3700 करोड़ रुपये की ठगी का मामला है।

एसएसपी एसटीएफ अमित पाठक ने बताया कि कंपनी जल्दी-जल्दी अपने खातों को एक से दूसरे बैंक में बदलती रहती है। इस मामले में मास्टरमाइंड अनुभव मित्तल के पिता और कंपनी के पूर्व निदेशक सुनील मित्तल के अलावा अनुभव की पत्नी आयुषी अग्रवाल और एक अन्य सनी मेहता को भी नामजद किया गया है।

इस कंपनी ने सोशल मीडिया ट्रेड के लिए अगस्त 2016 में काम शुरू किया था। उनकी वेबसाइट पर आने वाले लिंक को ऑनलाइन 'लाइक' करने का काम देखकर लाखों लोग इस काम में जुड़ते चले गए। यही वजह है कि मात्र सात माह में 6.30 लाख लोग इस कंपनी में सीधे तौर पर सदस्य बन चुके हैं जबकि एसटीएफ को कंपनी में छापे के दौरान 9 लाख पहचान पत्र मिले हैं।

सदस्य के जुड़ते ही होता था दोगुना भुगतान

कंपनी हर लिंक को लाइक करने के मेहनताने के रूप में अपने सदस्य को पांच रुपये का भुगतान करती थी। उदाहरणत: किसी सदस्य ने यदि 57500 रुपये की सदस्यता ली है तो कंपनी उसे रोजाना 125 लिंक देती थी।

इसके बाद यदि कोई सदस्य अपने नीचे दो सदस्य इतनी ही धनराशि देकर बनवाता था तो उसके लिंक दो गुने यानी रोजाना 250 के हो जाते थे। इतने लिंक लाइक करने पर रोजाना पांच रुपये के हिसाब से 1250 रुपये का भुगतान बनता था लेकिन कंपनी एडमिन चार्ज और टीडीएस काटने के बाद सदस्य के खाते में 1060 रुपये का भुगतान करती थी।

यूं होता था धंधा

पैकेज	रोज लाइक	रुपये मिलते थे
5,750	25	125
11,500	50	250
28,750	75	375
57,500	125	625

सीईओ की पत्नी पहली सदस्य बनी थी

सोशल ट्रेड डॉट बिज में श्रीधर की पत्नी ने 2016 में पहली सदस्यता ली थी। वह सीईओ की पत्नी हैं। प्लान समझने के लिए कई बार श्रीधर की मुलाकात भी अनुभव से हुई और छह माह पूर्व श्रीधर ने अनुभव की कंपनी को बतौर सीईओ सेवाएं देनी शुरू कर दी थी

सदस्य के जुड़ते ही होता था दोगुना भुगतान कंपनी हर लिंक को लाइक करने के मेहनताने के रूप में अपने सदस्य को पांच रुपये का भुगतान करती थी। उदाहरणत: किसी सदस्य ने यदि 57500 रुपये की सदस्यता ली है तो कंपनी उसे रोजाना 125 लिंक देती थी।

इसके बाद यदि कोई सदस्य अपने नीचे दो सदस्य इतनी ही धनराशि देकर बनवाता था तो उसके लिंक दो गुने यानी रोजाना 250 के हो जाते थे।

इतने लिंक लाइक करने पर रोजाना पांच रुपये के हिसाब से 1250 रुपये का भुगतान बनता था लेकिन कंपनी एडमिन चार्ज और टीडीएस काटने के बाद सदस्य के खाते में 1060 रुपये का भुगतान करती थी।

यूं होता था धंधा

पैकेज	रोज लाइक	रुपये मिलते थे
5,750	25	125
11,500	50	250
28,750	75	375
57,500	125	625

सीईओ की पत्नी पहली सदस्य बनी थी

सोशल ट्रेड डॉट बिज में श्रीधर की पत्नी ने 2016 में पहली सदस्यता ली थी। वह सीईओ की पत्नी हैं। प्लान समझने के लिए कई बार श्रीधर की मुलाकात भी अनुभव से हुई और छह माह पूर्व श्रीधर ने अनुभव की कंपनी को बतौर सीईओ सेवाएं देनी शुरू कर दी थी।

सीबीआई ने दो और को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। सीबीआई ने यहां प्रगति मैदान में आईटीपीओ परिसर की 2150 करोड़ रपए की पुनर्निर्माण परियोजना में कथित भ्रष्टाचार के मामले में दो और लोगों को गिरफ्तार किया है। एजेंसी के सूत्रों ने सोमवार को यह बात कही। इस मामले में एनबीसीसी के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक अनूप मित्तल को आरोपी बनाया गया है। सूत्रों ने बताया कि सीबीआई ने कैपेसाइट स्ट्रक्र्स के प्रबंध निदेशक संजय कुलकर्णी और गाजियाबाद के बिचौलिये ऋषभ अग्रवाल को भ्रष्टाचार के मामले में गिरफ्तार किया। जिसके बाद गिरफ्तार किये गये कुल लोगों की संख्या चार पहुंच गई है। सीबीआई ने इस मामले में 22 दिसम्बर को मित्तल, कुलकर्णी, अग्रवाल, सरकारी अधिकारी प्रदीप मिश्रा और कथित रूप से रिश्वत देने वाले आकाशदीप चौहान पर मामला दर्ज किया था। एजेंसी ने प्राथमिकी में आरोप लगाया कि प्रगति मैदान में पुनर्निर्माण का ठेका एनबीसीसी ने शापूरजी पल्लूनजी एंड कंपनी प्राइवेट लिमिटेड और शापूरजी पल्लूनजी कतर डब्ल्यूएलएल को 2149.93 करोड़ रपये में दिया था। मुंबई की कैपेसाइट स्ट्रक्र्स शापूरजी पल्लूनजी से सब-कांट्रैक्ट में काम पाने की कोशिश कर रही थी।

दोस्त को फंसाने के लिए अपना सिर फोड़ा

नई दिल्ली। थाना अमर कॉलोनी इलाके में एक हैरान कर देने वाला वाक्या सामने आया है, जिसमें एक युवक ने नशे के लिए पैसा नहीं देने पर अपने दूसरे साथी को फंसाने के इरादे से कांच पर खुद का सिर मारकर सिर फोड़ लिया और बाद में अपने गर्दन पर ब्लेड मारकर खुद को लहुलूहान कर लिया। घायल युवक की पहचान सद्दाम के रूप में हुई। घटना के दौरान वहां मौजद दुकानदारों ने किसी तरह उसे काबू कर पुलिस के हवाले कर दिया। फि लहाल पुलिस मामला दर्ज कर जांच कर रही है। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि घटना 22 दिसंबर की रात करीब साढ़े दस बजे की है।

दिल्ली में लेजर किरणों से हो सकती है प्रदूषण की निगरानी

लिडार नाम की इस पण्राली के जरिये कृषि, वन, मौसम और पर्यावरण पर प्रदूषण के पड़ने वाले असर का सटीक अनुमान लगाया जा सकता है

नई दिल्ली (एजेंसी)। केन्द्रीय प्रदूषण नियंतण्र बोर्ड (सीपीसीबी) के एक वरिष्ठ वैज्ञानिक ने दिल्ली में प्रदूषण की निगरानी के लिये अत्याधुनिक लाइट डिटेक्शन एंड रेजिंग (लिडार) तकनीक का इस्तेमाल शुरू करने की संभावना व्यक्त की है। इस तकनीक से प्रदूषण के स्तर और हवा की गुणवत्ता का समानांतर परीक्षण किया जा सकता है। सीपीसीबी की वायु प्रयोगशाला के प्रमुख दीपांकर साहा ने बताया कि दिल्ली में बोर्ड फिलहाल धरती की सतह के आसपास वायु प्रदूषण के निगरानी तंत्र को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है, लेकिन इसके बाद जल्द ही सतह से निश्चित ऊंचाई पर हवा की गुणवत्ता को मापने के निगरानी तंत्र को मजबूत किया जायेगा। साहा ने लेजर तकनीक आधारित लिडार पण्राली से प्रदूषण मापने की कार्ययोजना के बारे में कहा कि इसके तहत आसमान में लेजर किरणों के माध्यम से हवा में घुले दूषित तत्वों की मौजूदगी का सटीक अनुमान लगाया जाता है। लेकिन इस तकनीक से पड़ने वाले तात्कालिक आर्थिक बोझ के मद्देनजर सीपीसीबी ने जमीन की सतह पर प्रदूषण के निगरानी तंत्र को मजबूत करने को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाया है। उन्होंने बताया कि जमीन से ऊपर आसमान में हवा की गुणवत्ता को मापने के लिए लिडार पण्राली को अगले चरण में लागू किया जाएगा।

लिडार पण्राली के जरिये कृषि, वन, मौसम और पर्यावरण पर प्रदूषण के पड़ने वाले असर का सटीक अनुमान लगाया जा सकता है। इस पण्राली के तहत वायु प्रदूषण पर निगरानी के लिये इलास्टिक बेक्सकेटर लिडार और रमन लिडार का प्रयोग किया जाता है।

2010 में राष्ट्रमंडल खेल आयोजन के दौरान दिल्ली में सीपीसीबी और मौसम विभाग ने 3डी मॉडलिंग के माध्यम से मैच से पहले मौसम और प्रदूषण का पूर्वानुमान व्यक्त करने के लिये इलास्टिक बेक्सकेटर लिडार तकनीक का प्रयोग किया था।

नर्सरी दाखिला मामला सरकार ने भेदभाव प्रदर्शित करने वाले 62 मानकों को किया प्रतिबंधित

निदेशालय के प्रतिबंधित मानकों के भी अंक तय कर रहे हैं स्कूल

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सरकार की ओर से जारी किये गये दिशानिर्देश के उलट स्कूल अपने हिसाब से नर्सरी दाखिले के लिये ऐसे मानकों के भी अंक शामिल कर रहे हैं जिन्हें शिक्षा निदेशालय ने भेदभाव प्रदर्शित करने वाला करार दिया है।

कुछ विद्यालय शराब न पीने वाले, धूम्रपान न करने वाले, और शाकाहारी परिवार के बच्चों को दाखिला देने में रियायत दे रहे हैं। सौ अंकों में प्रारूप में इस प्रकार की पृष्ठभूमि वाले परिवार के

शिक्षा निदेशालय ने दिये हैं भेदभाव-रहित, पारदर्शी और स्पष्ट मानक तय करने के निर्देश

बच्चों को इसके लिए पांच अंक दिए जा रहे हैं, शेष अंक अन्य मानकों के लिए निर्धारित हैं।

जीटी करनाल रोड पर स्थित महावीर सीनियर मॉडल स्कूल ने धूम्रपान न करने वाले परिवार के लिए परिवार के बच्चों के लिए पांच अंक, शाकाहारी परिवार के लिए पांच अंक, और पांच अंक मद्यपान न करने वाले परिवार के बच्चों के लिए निर्धारित है। इसी तरह से प्रसाद नगर में स्थित फेथ अकादमी ने एकाकी अभिभावकों के बच्चों के लिए 10 कृपांक तय किये हैं।

इस क्रम में और भी कई विद्यालय हैं। जबकि विशेषज्ञों का मानना है कि विद्यालयों के यह मानक कोर्ट की अवमानना है जिसमें कहा गया था कि अभिभावकों की आदतों की सजा बच्चों को नहीं दी जा सकती है।

15 सौ अधिक निजी स्कूलों की 70 प्रतिशत नर्सरी सीटों पर दाखिले के लिए शिक्षा निदेशालय की ओर से जारी गाइडलाइन के तहत पहले बच्चे, वेजिटेरियन, नॉन स्मोकर्स, अभिभावकों की शैक्षणिक योग्यता, स्कूल परिवहन, वर्किंग पैरेंट्स, पहले से पढ़ रहे बच्चे के चचेरे व ममेरे भाई बहन, स्थानातरंण, अभिभावकों केसंगीत व खेल में राष्ट्रीय पुरस्कृत होने, अभिभावक केसामाजिक कार्य, बच्चे की स्थिति, पहली बार दाखिला पा रहे, पहले आओ पहले पाओ, साक्षात्कार, संयुक्त परिवार, अभिभावकों का राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक व खेल रिकॉर्ड, मैनेजमेंट कोटा आदि मानकों को दाखिले का आधार नहीं बनाया जा सकेगा।

कुल मिलाकर इस तरह के 62 मानकों को गैर जरूरी करार दिया गया है, जोकि विद्यालय तय नहीं कर सकेंगे।

निदेशालय ने कहा है कि स्कूलों को अपने 100 अंकों के फॉमरूले में ऐसे मानक तय करने हो न केवल अच्छी तरह से परिभाषित हों, न्यायसंगत हों, साथ ही भेदभाव रहित, स्पष्ट व पारदर्शी भी हों।

जल से शरीर शुद्ध होता है, मन से सत्य शुद्ध होता है, विद्या और तप से भूतात्मा और ज्ञान से बुद्धि शुद्ध होती है -मनुस्मृति

महिलाओं के अधिकार

इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड द्वारा तीन तलाक के खिलाफ प्रस्तावित विधेयक को एक साथ मुस्लिम महिलाओं के अधिकारों, शरियत और संविधान के खिलाफ करार देने का औचित्य समझना कठिन है। यह उस आम समझ के विपरीत मत है, जिसमें इसे मुस्लिम महिलाओं के अधिकारों की रक्षा करने वाला कदम करार दिया गया है। बोर्ड आखिर चाहता क्या है? वह तर्क दे रहा है कि जब उच्चतम न्यायालय ने तीन तलाक को तलाक माना ही नहीं है तो ऐसा करने वालों को सजा का प्रावधान का क्या मतलब है। अजीब तर्क है। उच्चतम न्यायालय के आदेश के बावजूद तीन तलाक के कई मामले सामने आए हैं। ऐसे में आम मान्यता है कि एक कानून जरूरी हो गया है ताकि ऐसा करने वालों को रोका जा सके। वास्तव में तीन तलाक के खिलाफ सख्त कानून समय की मांग है। बोर्ड जैसे एनजीओ की सोच के अनुसार कोई सरकार काम नहीं कर सकती। हालांकि उनको अपना मत रखने का अधिकार है। वे प्रधानमंत्री से मिलकर अपनी बात कहना चाहते हैं तो कहें। इसमें भी कोई समस्या नहीं है। किंतु देश की संसद कोई कानून बनाएगी तो वह संविधान के विरुद्ध नहीं हो सकता। इसलिए इसे संविधान के विरुद्ध कहा ही नहीं जा सकता। बोर्ड पहले तीन तलाक में किसी प्रकार के हस्तक्षेप को मजहब में हस्तक्षेप कह रहा था। बाद में वह पीछे हटा और उच्चतम न्यायालय के आदेश को माना। वास्तव में इनके पास कोई चारा नहीं बचा था। मुस्लिम समाज भी इस मामले में दो भागों में बंट गया था। महिलाओं का बड़ा वर्ग तो तीन तलाक के निषेध के पक्ष में था ही आम विवेकशील मुस्लिम भी ऐसा ही चाहते थे। लगता है बोर्ड फिर वही गलती दुहरा रहा है। किसी महिला को ऐसी व्यवस्था के रहमोकरम पर नहीं छोड़ा जा सकता जहां झनक में आकर कोई तीन तलाक बोल दे और उसके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हो सकती। सरकार के अंदर जिन लोगों ने यह विधेयक तैयार किया है उन्हें इस बात का इल्म है कि मजहब क्या कहता है। मजहब का एकमात्र व्याख्याकार मुस्लिम पर्सनल बोर्ड नहीं हो सकता है। उसके कहने से विधेयक वापस लिये जाने का कोई कारण नहीं होना चाहिए। हमारा मानना है कि सरकार को तीन तलाक के खिलाफ सख्त कानून बनाना चाहिए। यह महिलाओं के अधिकारों के साथ उसकी गरिमा की रक्षा और वहशी पुरुषों को रास्ते पर लाने का सशक्त हथियार साबित होगा।

जीत से उत्साहित

तमिलनाडु में राधाकृष्णन नायर की प्रतिष्ठित विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव में शशिकला के भतीजे टीटीवी दिनाकरन की जीत ने अन्ना द्रमुक की डांवाडोल सरकार को खतरे में डाल दिया है। उन्होंने सत्तारूढ़ अन्ना द्रमुक के ई. मधुसूदनन को चालीस हजार सात सौ सात मतों से हराया। गौरतलब है कि तमिलनाडु की तत्कालीन मुख्यमंत्री के निधन से यह सीट रिक्त हुई थी। माना जा रहा है कि दिनाकरन की जीत प्रदेश के साथ-साथ राष्ट्रीय राजनीति को भी प्रभावित करने वाली साबित हो सकती है। सत्ता रूढ़ अन्ना द्रमुक के मुख्यमंत्री पन्नीरसेल्वम और उपमुख्यमंत्री पलानी स्वामी के धड़े के वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं में भ्रम की स्थिति पैदा हो गईहै क्योंकि जयललिता के निधन के एक साल बाद सवाल उठने लगा है कि आखिर, उनकी विरासत का असली वारिस कौन है?

जीत के बाद अन्ना द्रमुक से दरकिनार किए गए दिनाकरन ने जयललिता के असली राजनीतिक वारिस होने का दावा किया है। अलबत्ता, आने वाले कुछ दिनों में पन्नीरसेल्वम-पलानीस्वामी गुट के विधायक दिनाकरन के पक्ष में पाला बदलें तो अचरज नहीं होना चाहिए। ऐसा होता है तो एकीकृ त अन्ना द्रमुक के दोनों गुटों को करारा झटका लग सकता है। प्रदेश की मुख्य विरोधी पार्टी द्रमुक के नेता स्टालिन दिनाकरन की जीत से उत्साहित हैं। मानकर चल रहे हैं कि अन्ना द्रमुक में विभाजन की शुरुआत हो गई है, और यह मध्यावधि चुनाव का मार्ग प्रशस्त करेगा। शायद इसीलिए अन्ना द्रमुक के नेता इस चुनावी नतीजे को दिनाकरन और स्टालिन के गुप्त समझौते का परिणाम बता रहे हैं। तमिलनाडु और अन्ना द्रमुक की राजनीति में दिनाकरन का खासा प्रभाव रहा है। इसलिए मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री, दोनों दिनाकरन को स्वीकार करने और न करने के सवाल पर दुविधा में हैं। अन्ना द्रमुक के 49 सांसद हैं। उसके नेतृत्व के भाजपा से अच्छे संबंध हैं। आने वाले दिनों में अन्ना द्रमुक का क्या स्वरूप बनता है, इस पर उसकी 2019 के लोक सभा चुनाव की दक्षिण की रणनीति बहुत हद कुछ निर्भर करेगी। बहरहाल, यह चुनाव प्रदेश की सरकार और राजनीति को अस्थिर करने वाला साबित हो सकता है।

सत्संग

''उदास'

उत्सव की दृष्टि ही रखें। जैसे कि: तुम उदास हो-तो उदासी के साथ तादात्म्य न बनाएं क्योंकि उदासी का अपना सौंदर्य है, जो तुमने कभी देखा ही नहीं। उदासी में एक तरह की गहराई होती है; और खुशी में उथलापन रहता है। तुम उदासी में उतरते हो तब तुम्हें इन सब बातों का अनुभव होता है। अचानक तुम्हें बोध होने लगता है कि उदासी वहां एक वस्तु की तरह मौजूद है, तुम उसे देख रहे हो, उसके साक्षी हो, और अचानक तुम प्रसन्न होने लगते हो। उदासी इतनी सुंदर!-अंधेरे के एक फूल की तरह, अथाह गहराई के एक फूल की तरह। तुम उदास होते हो तो तुम्हें लगता है कि कुछ बुरा हुआ है। यह तुम्हारा मानना है कि कुछ बुरा हुआ है, और तब तुम उससे बचने की कोशिश करते हो। तुम्हें यह गलत दृष्टि दी गई है-कि उदासी गलत है। इसमें कुछ बुरा नहीं है। यह जीवन का दूसरा छोर है। दोनों उदासी और आनंदपूर्ण जीवन बहुआयामी होता है; यह सभी दिशाओं में एक साथ चलता है। बुद्ध की प्रतिमा को ध्यान से देखो या कभी मेरी आंखों में देखो, तुम दोनों को एकसाथ पाओगे-आनंद, शांति, और उदासी भी। तुम एक ऐसा आनंद पाओगे जिसमें उदासी भी है, क्योंकि वह उदासी तुम्हें गहराई देती है। बुद्ध की प्रतिमा को देखो-आनंदपूर्ण, लेकिन फिर भी उदास। मात्र ''उदास' शब्द ही तुम्हें गलत अर्थ देता है-कि कुछ गलत है। यह तुम्हारी धारणा है। मेरे लिए जीवन अपनी समग्रता में ही शुभ है। और जब तुम जीवन को अपनी समग्रता में समझ लेते हो, तभी तुम उसका उत्सव मना सकते हो; नहीं तो यह असंभव है। उत्सव का अर्थ होता है-जो भी होता है वह गौण है-मैं तो उत्सव मनाऊंगा। उत्सव किन्हीं विशेष बातों पर निर्भर नहीं है:''कि मैं खुश हूं, इसलिए उत्सव मनाऊंगा' या, ''जब मैं अप्रसन्न होऊंगा उत्सव नहीं मनाऊंगा।' उत्सव बेशर्त है; मैं जीवन का उत्सव मनाता हूं। यह उदासी लाता है-शुभ है, मैं इसका उत्सव मनाता हूं। यह प्रसन्नता लाता है-शुभ है, मैं इसका जशन मनाता हूं। उत्सव ही मेरा नजरिया है, फिर जीवन भले ही कुछ भी लाए। परंतु एक समस्या खड़ी हो जाती है क्योंकि मैं जब भी शब्दों का प्रयोग करता हूं, उन शब्दों के अर्थ तुम्हारे चित्त पर हैं। जब मैं कहता हूं, ''उत्सव मनाओ' तो इसका अर्थ है कि खुश होना है, जब कोई उदास है तो उत्सव कैसे मना सकता है? उत्सव का अर्थ है जीवन ने जो भी दिया है उसके प्रति अहोभाव। अस्तित्व हमें जो भी दे, उत्सव उसके प्रति धन्यवाद का भाव है, अहोभाव है।

राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति की घोषणा

अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति में अनेक सक्रिय अंतरराष्ट्रीय आतंकवादी संगठनों की पाकिस्तान में उपस्थिति, जिसे अमेरिका और उसके मित्र देशों की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बताया गया है, के अतिरिक्त पाकिस्तान के नाभिकीय हथियारों और उनसे जुड़ी तकनीक के सुरक्षित संरक्षण/प्रबंधन का प्रश्न भी उठाया गया है। इस नई रणनीति में दक्षिण एशिया में अमेरिकी प्राथमिकताओं को भी काफी हद तक स्पष्ट कर दिया गया है, जिसके केंद्र में अमेरिका और मित्र देशों की सुरक्षा-चिंता बढ़ाने वाले आतंकी खतरों से लोहा लेना, पाकिस्तान-प्रायोजित आतंकवाद से जन्मे सैन्य और नाभिकीय संघर्ष की संभावनाओं को खत्म करना

सतीश पेडणोकर

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अगस्त, 2017 में अपनी दक्षिण एशिया नीति की घोषणा करने के दौरान स्पष्ट किया था कि पूर्व के अन्य राष्ट्रपतियों के विपरीत वह पाकिस्तान द्वारा विभिन्न अंतरराष्ट्रीय आतंकवादी संगठनों को दी जा रही पनाह के मामले में चुप नहीं बैठेंगे। तब से अब तक पाकिस्तान के प्रति अमेरिकी दृष्टिकोण में रत्ती भर फर्क नहीं आया है। कहना अतिश्योक्ति न होगी कि ट्रंप का पाकिस्तान पर वौंकि कसता जा रहा है। हाल में अपनी पहली राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति की घोषणा करते हुए ट्रंप प्रशासन ने कहा कि पाकिस्तान को स्पष्ट कर दिया गया है कि अमेरिका पाकिस्तान से सहयोग की आकांक्षा रखता है, और उसकी जमीन से सक्रिय आतंकवादी संगठनों के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई चाहता है। बीती 18 दिसम्बर को अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति में अनेक सक्रिय अंतरराष्ट्रीय आतंकवादी संगठनों की पाकिस्तान में उपस्थिति, जिसे अमेरिका और उसके मित्र देशों की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बताया गया है, के अतिरिक्त पाकिस्तान के नाभिकीय हथियारों और उनसे जुड़ी तकनीक के सुरक्षित संरक्षण/प्रबंधन का प्रश्न भी उठाया गया है। इस नई रणनीति में दक्षिण एशिया में अमेरिकी प्राथमिकताओं को भी काफी हद तक स्पष्ट कर दिया गया है, जिसके केंद्र में अमेरिका और मित्र देशों की सुरक्षा-चिंता बढ़ाने वाले आतंकी खतरों से लोहा लेना, पाकिस्तान-प्रायोजित आतंकवाद से जन्मे सैन्य और नाभिकीय संघर्ष की संभावनाओं को खत्म करना तथा नाभिकीय शस्त्रों और तकनीक तक आतंकवादियों की पहुंच रोकना है। इन उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए उठाए जाने वाले कदमों में मुख्य रूप से भारत के साथ रणनीतिक सहयोग बढ़ाना, हिन्द महासागर तथा सीमावर्ती क्षेत्र में भारत के नेतृत्व को समर्थन देने के साथ-साथ पाकिस्तान पर आतंकवाद विरोधी अभियान को तेज करने के लिए दबाव डालना और नाभिकीय हथियारों की सुरक्षा प्रदर्शित करने के लिए प्रेरित करना शामिल हैं। अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति के दक्षिण एशियाई पहलू से पर्याप्त संकेत मिलते हैं कि हिन्द महासागर और सीमावर्ती क्षेत्र में भारत के अलावा किसी और देश (चीन) के हस्तक्षेप या उसकी बढ़ती उपस्थिति को ट्रंप प्रशासन स्वीकार नहीं करेगा। अमेरिकी उपराष्ट्रपति माइक पेन्स ने भी अपने अप्रत्याशित अफगानिस्थान दौरे के दौरान 21 दिसम्बर को बगराम एयरफील्ड में सैनिकों को संबोधित करते हुए पाकिस्तान को चेताया कि आतंकवादी संगठनों की सुरक्षित शरणगाह न बने। गौरतलब है कि चीन दक्षिण एशिया में अपनी अवस्थिति को सुदृढ़ करने को प्रयासरत है। पाकिस्तान-चीन आर्थिक गलियारे तथा उससे संबंधित अन्य परियोजनाओं में अब तक वह लगभग 60 बिलियन अमेरिकी डॉलर का निवेश कर चुका है। इन परियोजनाओं के केंद्र में पाकिस्तान स्थित ग्वादर बंदरगाह को चीन के जिनिजयांग प्रांत के काशगर शहर से जोड़ना है। बहुत से विश्लेषकों का मानना है कि चीन के लिए इन परियोजनाओं का आर्थिक कम सामरिक महत्त्व अधिक है। इनके माध्यम से वह हिन्द महासागर में न केवल पहुंच सुनिश्चित करने की कोशिश में है, बल्कि भारत के अब तक के एकाधिकार को चुनौती भी दे रहा है। ऐसे समय में अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति में हिन्द महासागर तथा सीमावर्ती क्षेत्रों में भारत के नेतृत्व को समर्थन देना अपने आप में अभूतपूर्व है। पाकिस्तानी सत्ता की केंद्रीय संस्थाओं विशेषकर पाकिस्तानी सेना, जो नवाज शरीफ के पद से हटने के बाद सत्ता पर काबिज दिख रही है, से इस पर प्रतिक्रया स्वाभाविक था। मेजर जनरल आसिफ गफूर, आईएसपीआर महानिदेशक, ने कैपिटल टेलीविजन के टॉक शो में इस मामले में प्रतिक्रिया जाहिर करते हुए यह स्पष्ट करने की कोशिश की कि पाकिस्तान ने अपने राष्ट्रीय हितों का ध्यान में रखते हुए आतंकवाद-विरोधी युद्ध, जो उस पर थोपा गया था, लड़ा न कि अमेरिकी पैसे के लिए। पाकिस्तान ऐसे किसी भी निर्णय को नामंजूर कर देगा जो उसके राष्ट्रीय हितों के अनुरूप नहीं होगा। वहीं पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने अपनी आधिकारिक प्रतिक्रिया में अमेरिकी नीतियों की आलोचना की। अमेरिकी प्रशासन के आरोपों को बेबुनियाद और जमीनी सच्चाई को झुठलाने वाला बताया। 19 दिसम्बर को जारी इस प्रतिक्रिया में पाकिस्तान को राज्य-प्रायोजित आतंकवाद का शिकार बताते हुए अप्रत्यक्ष रूप से भारत और अफगानिस्तान पर अस्थिरता फैलाने का आरोप लगाया गया। अमेरिका द्वारा हिन्द महासागर और सीमावर्ती इलाकों में भारतीय नेतृत्व को समर्थन देने के फैसले से उपजी उद्विग्नता की झलक उस तय से भी मिलती है, जिसमें कहा गया है, ''देश अपने रचनात्मक योगदानों के आधार पर क्षेत्रीय या नियंतण्र

ताकत के रूप में उभरते हैं। यह किसी देश (अमेरिका) के ऊपर नहीं होता कि किसी दूसरे देश (भारत) को इस दरजे से नवाजे।'यद्यपि अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति की पाकिस्तान ने सार्वजनिक तौर पर कड़ी आलोचना की है, लेकिन इसके नुकसान और उसकी भरपाई के संभावित कदमों पर र्चचा के लिए 21 दिसम्बर को नेशनल कमांड अथॉरिटी की बैठक बुलाई गई जिसमें प्रधानमंत्री, रक्षा मंत्री, आंतरिक मामलों के मंत्री समेत तीनों सेनाओं के अध्यक्ष, आईएसआई महानिदेशक, स्ट्रेटेजिक प्लांस डिवीजन के महानिदेशक और अन्य आला आधिकारी मौजूद थे। बैठक में क्षेत्रीय सुरक्षा वातावरण का जायजा लेने के अतिरिक्त पाकिस्तान के न्यूक्लियर सेक्योरिटी रिजीम की विस्तारपूर्वक समीक्षा की गई। यह स्पष्ट किया गया कि पाकिस्तान किसी भी तरह की आक्रामकता/अतिक्रमण से निपटने की क्षमता रखता है। यह भी कहा गया कि वह हमेशा फुल स्पेक्ट्रम डिटरेन्स बनाए रखेगा। इस बदलती हुई भू-राजनीतिक परिस्थिति में अमेरिका अपने कहे पर अडिग रहता है, और अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति के दक्षिण एशियाई पहलू पर बाकायदा अमल करता है, तो भारत को निश्चित तौर पर लाभ होगा। भारत के नीति-निर्माताओं को इस पक्ष पर न केवल ध्यान देने की जरूरत है, बल्कि इस सुअवसर का अपने राष्ट्रीय हितों के अनुरूप समुचित दोहन करने की ओर तत्काल ध्यान देना चाहिए।

चलते चलते

लुटने की नियति

हिमाचल प्रदेश में जबरदस्त तरीके से चुनाव जीतने के बाद भी भाजपा के लिए एक मुख्यमंत्री पद का रोजगार पैदा करने में दिक्कतें आई जबकि चुनावों में औरंगजेब, अलाऊद्दीन खिलजी के लिए भी रोजगार का सृजन हो गया।

2017 लगभग निकल लिया है। 2017 में बहुत से उच्च काम हुए, बहुत से नीच भी। रोजगार के मसले पेचीदा रहे 2017 में। हिमाचल प्रदेश में जबरदस्त तरीके से चुनाव जीतने के बाद भी भाजपा के लिए एक मुख्यमंत्री पद का रोजगार पैदा करने में दिक्कतें आई जबकि चुनावों में औरंगजेब, अलाऊद्दीन खिलजी के लिए भी रोजगार का सृजन हो गया। 2017 में योगियों बाबाओं के लिए खास साल रहा। एक योगी सीएम हो गए, एक बाबा का कारोबार अरबों का हो लिया। दूसरी तरफ नॉन-योगी राहुल गांधीजी इतने संतोष और संयम के भाव से भरे देखे गए। भक्ति भाव भरपूर बरसा 2017 में। नये शिवभक्त बने, नये जनेऊ चढ़ाये गए। शिव तो परेशान हो लिए कि वैराइटी वैराइटी के भक्त आने लगे उनके मंदिरों में, चुनाव निपटने के बाद भी शिवभक्त और शिव दोनों ने राहत महसूस की। भक्ति का इंडेक्स फिर बढ़ेगा, जब चुनाव आएंगे। आदरणीय कवि अशोक चक्रधर जी की कुछ श्रेष्ठ पंक्तियों से प्रेरित होकर यह भी कहा जा सकता है- शिव बोले, अब तो मेरे मंदिर में इतने, कितने नये भक्तों का बोलबाला है, नंदी बोले-महाराज लगता है कि राज्य में चुनाव आने वाला है। ईवीएम ने कई जगह सही काम किया, कई जगह आरोप लगे। पंजाब में अमरिंदर सिंह की सरकार चुनी गई तो कांग्रेस को लगा कि ईवीएम एकदम ठीक काम कर रही हैं। पर गुजरात में ईवीएम ठीक नहीं काम रही हैं, ऐसा भाव कई कांग्रेस जनों ने दिखाया। पब्लिक अस्पतालों में लुटी, नेताओं से लुटी और बिटकायन नामक निवेश में भी लुटी। यूपी में गोरखपुर में बच्चों की मौत हुई, दिल्ली के एक महंगे अस्पताल में एक बच्चा 16 लाख के भुगतान के बाद मरा। लोकतंत्र चुनाव के अवसर देता है, गोरखपुर में मौत सस्ती पड़ती है, दिल्ली में महंगी। बिटकायन नामक निवेश में पब्लिक ने लाखों गंवाए, पब्लिक को लुटने के मामले में भी चुनाव के अवसर मिलते हैं। महंगे अस्पताल में लुट लें, या बिटकायन में लुट लें, चॉइस आपकी है। लुटना नियति है, आप लूटने वालों में नहीं हैं तो। लूटने वाले 2017 में भी मौज में रहे, माल्या फिट रहे, हिट रहे। किसान अलबत्ता, आत्महत्या करते रहे। उन पर र्चचा न हो पाई क्योंकि उस वक्त टीवी चैनल हनीप्रीत की गुफाओं का सच जानने में घुसे हुए थे।

फोटोग्राफी...

प्रकृति के कई रंग पेश करती यह तस्वीर जॉंजिया के गोमी माउंटेन की है। समुद्र तल से 2100 मीटर की ऊंचाई पर यहां चारों ओर पेड़, खनिजों से भरपूर जलधाराएं हैं। हालांकि पर्यटकों के लिए इससे भी बड़ा आकर्षण यहां पहाड़ी और समुद्री वातावरण का मिलना है। माना जाता है कि इस वातावरण में बीमार को स्वस्थ कर देने की शक्ति है। ऐसे में बड़ी संख्या में पर्यटक यहां बेहतर सेहत पाने के उद्देश्य से ही आते हैं। boredpanda.com

घोटाल ही धोटाले

'सोचिए कि आपकी रक्षा का दावा करने वाला ही अगर आपकी झूठी मौत का दावा करे तो इसे क्या कहेंगे? सोचिए कि शिकायत निपटाने का दावा करने वाला तंत्र ही अगर प्रक्रियाओं की अनदेखी करे तो उसकी विश्वसनीयता पर भरोसा कौन करेगा? दरअसल, दिल्ली पुलिस द्वारा सीसीटीवी खरीदने में कथित घोटाले की बात सामने आई है। आरोप है कि 45 हजार का सीसीटीवी 6 लाख से भी ज्यादा कीमत में खरीदा गया। लिहाजा, मुश्किल से 3309 सीसीटीवी कैमरों की जो खरीद 15 करोड़ रुपये में हो जानी चाहिए थी, वो खरीद 227 करोड़ में हुई। हैरानी की बात यह है कि पीएमओ में इसकी शिकायत करने वाले आरटीआई कार्यकर्ता हरपाल राणा को दिल्ली पुलिस ने यह कह कर मानसिक तौर पर बीमार बता दिया कि वह बेटे की मौत के सदमे में हैं। विडंबना तो देखिए कि पीएमओ ने बिना किसी जांच के सच मानकर शिकायत को रद्द भी कर दिया। लेकिन, बाद में दिल्ली पुलिस की दलील झूठी साबित हुई। दरअसल, हरपाल के पुत्र अभी भी जिंदा हैं। इस मामले से कई सवाल खड़े होते हैं। पहला, अपराधियों पर वौंकि कसने की जिम्मेदारी पुलिस की होती है, लेकिन पुलिस ही अगर अपराधियों जैसा बर्ताव करे तो लोग जाएं किसके पास? लोग भ्रष्टाचारियों की शिकायत लेकर पुलिस के पास जाते हैं, लेकिन अगर पुलिस ही भ्रष्टाचारी निकल जाए तो भ्रष्टाचार पर अंकुश लगेगा कैसे? दूसरा, 80 प्रतिशत शिकायत निपटाने का दावा करने वाला पीएमओ अगर जांच में इतनी बड़ी चूक करेगा तो लोगों के पास कौन सी उम्मीद बचेगी? क्योंकि, जब पीएमओ के स्तर पर इतनी बड़ी लापरवाही हो सकती है, तो बाकी संस्थानों की हालत क्या होगी? क्या पीएमओ को शिकायतकर्ता के स्तर पर भी जांच नहीं करनी चाहिए थी? क्या पीएमओ जैसी संस्था द्वारा एकतरफा जांच करके मामले को रफा दफा कर देना, उसकी विश्वसनीयता पर सवाल खड़े नहीं करता है? सवाल यह भी है कि आरटीआई द्वारा हासिल दस्तावेज पर पीएमओ ने गौर न करके दिल्ली पुलिस की रिपोर्ट को ही क्यों माना? ये कुछ ऐसे सवाल हैं, जो पीएमओ के अधिकारियों की नीयत पर भी सवाल करते हैं। जाहिर है कि इन सभी पहलुओं की गंभीरता से जांच होनी चाहिए। दरअसल, हमें इस मामले की गंभीरता को समझना होगा। पुलिस द्वारा भ्रष्टाचार और जांच को भटकाने जैसे मामले लोगों में यह डर पैदा करने के लिए काफी है, न जाने कब, कौन पुलिस का शिकार हो जाए। फिर लोग भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाने के बजाय उसके साथ सामंजस्य स्थापित करना शुरू कर देंगे। पुलिस की यह बदनीयती हमारे समाज को खोखला कर देगी। सरकारी महकमों द्वारा ही इसमें शिथिलता बरतने से भ्रष्टाचार रुकेगा कैसे? सरकार को सोचना होगा कि कानून व्यवस्था को कायम रखने वाली संस्था की इस कथित धांधली को रोका कैसे जाए? दिल्ली पुलिस के इस कृत्य ने पूरे पुलिस महकमे पर सवालिया निशान लगा दिया है। पुलिस विभाग को भी सोचना होगा कि इस प्रकार की अनियमितताओं से विभाग की छवि खराब होती है। सामाजिक स्तर पर भी सौहार्द को कायम करना भी मुश्किल होगा। इसलिए अगर यह मामला रिवायत में तब्दील हो गया तो लोगों की नजरों में कानून-व्यवस्था की अहमियत खत्म हो जाएगी। बहरहाल, सरकारी तंत्र को मजबूत करने के लिए सरकार को भी गंभीर पहल करनी होगी और इस प्रकार के भ्रष्टाचार के मामले पर कठोर कार्रवाई कर सख्त संदेश देना होगा ताकि इस प्रकार की गड़बड़ियां विभागों की छवि को दागदार न करें।

विधायक ने डीएम से की गन्ना अधिकारी की शिकायत

शाहजहाँपुर(ईएमएस)। डालमिया चीनी मिल और जिला गन्ना अधिकारी के खिलाफ भाजपा विधायक रोशन लाल वर्मा ने मोर्चा खोल दिया है। उन्होंने गन्ना अधिकारी को चीनी और माफियाओं के एजेन्ट बताते हुए डीएम व शासन से शिकायत की है। डीएम को भेजी शिकायत में विधायक रोशन लाल वर्मा ने बताया कि जिला गन्ना अधिकारी और डालमिया चीनी मिल गन्ना किसानों का शोषण कर रहे हैं। यह दोनों मिलकर क्षेत्र के किसानों को लूट रहे हैं। इनकी कार्यगुजरी के कारण क्षेत्र के किसान औने पौने दामो पर ही अपना गन्ना बेचने को मजबूर है। विधायक ने बताया कि जिला गन्ना अधिकारी बीके पटेल चीनी के एजेंट बनकर काम कर रहे हैं। उन्होंने गत दिवस निगोही के पतराजपुर में छापा मारा तो गन्ना माफियाओं को छोड़ दिया लेकिन किसानों की गन्ना लदी ट्रालियां जब्त कर ली, कई ट्रालियों की हवा तक निकाल दी। गन्ना अधिकारी ने तीन ट्राली गन्ना लदी चीनी मिल के सुपुर्द कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज करवा दिया लेकिन किसी भी गन्ना माफिया के खिलाफ कोई कार्यवाही नही करवाई। विधायक के अनुसार यदि भ्रष्ट गन्ना अधिकारी के खिलाफ कोई कार्यवाही नही की गई तो क्षेत्र के किसान व्यापक आंदोलन कर सकता है।

मेरठ में छेड़खानी का विरोध करने पर मनचलों ने छात्रा को गोली मारी

लखनऊ (ईएमएस)। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले में छेड़छाड़ का विरोध करने पर एक छात्रा की गोली मार कर हत्या कर दी। गंभीर रूप से घायल छात्रा को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने घटना की रिपोर्ट लिख कर मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक, जिले थाना हाईवे इलाके में कुछ मनचले पिछले कई दिनों से एक छात्रा को परेशान कर रहे थे। जिसकी वजह से छात्रा ने अपनी मां के साथ स्कूल जाना शुरू कर दिया था। मंगलवार को छात्रा अकेले ही स्कूल जाने के लिए निकली थी. इस दौरान जितेंद्र नामक एक लड़के ने अपने साथियों के साथ छात्रा के साथ छेड़छाड़ शुरू कर दी। छात्रा ने विरोध किया तो उसे गोली मार दी गई। छात्रा को गोली मारने के बाद मनचले घटनास्थल से फरार हो गए। स्थानीय लोगों ने छात्रा के परिजनों को घटना की जानकारी दी। उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां छात्रा की हालत गंभीर बनी हुई है। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस के आलाधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे हैं। इस मामले की जांच जारी है। बताते चलें कि इससे पहले यूपी के बदायूं में एक लड़की ने मनचलों द्वारा छेड़छाड़ से परेशान होकर स्कूल जाना बंद कर दिया था।

इलाहाबाद में गंगा की धारा हुई पश्चिम वाहिनी

इलाहाबाद (ईएमएस)। मां गंगा की महिमा अपर है। माघ मेले के लिए संगम की रेती पर जहां कल्पवासियों और श्रद्धालुओं के लिए व्यवस्थाएं मुकम्मल की जा रही हैं, वहीं संगम नोज पर कम पानी चिंता का विषय बना हुआ है। इस दशा में माघ मेले के प्रथम स्नान पर्व पौष पूर्णिमा से श्रद्धालुओं को डुबकी लगाने के लिए भरपूर पानी की व्यवस्था करने में एक सप्ताह से सिंचाई विभाग जुटा है।उसकी इस कवायद से गंगा की झूंसी की तरफ निकली धारा महावीर मार्ग पांटून पुल के शुरुआत से निकली धारा की तरफ शिफ्ट हो रही हैं। इससे गंगा की धारा पश्चिमी वाहिनी हो गई हैं। पानी कम होने से दारागंज में नागवासुकी मंदिर के पास से इस बार गंगा की दो धाराएं बन गई हैं। इससे पानी का बहाव भी कम हो गया है। संगम नोज तक दोनों धाराओं के बीच जगह-जगह रेत हो जाने से वहां भी पानी कम हो गया है। इसी वजह से नोज पर रेत को काटकर दोनों धाराओं को मिलाने के लिए सिंचाई विभाग ने दो पोकलैंड और जेसीबी लगी है। आधा दर्जन ट्रैक्टरों से घाट के पास समतलीकरण का कार्य भी किया जा रहा है। रेत को काटने से इकट्ठा होने वाली बालू से वहीं करीब एक किलोमीटर लंबा घाट बनाया जाना है।

प्रवासी पक्षयिों के लिए हर जिले में बनायें वेटलैण्ड: राजीव कुमार

लखनऊ(ईएमएस)। मुख्य सचिव राजीव कुमार ने निर्देश दिये हैं कि प्रवासी पक्षयिों के वास स्थल एवं पर्यटन केन्द्र के रूप में विकसित करने के लिए प्रदेश के प्रत्येक जनपद में एक-एक वेटलैण्ड आवश्यकतानुसार स्थापित कराने के लिए सिंचाई, वन एवं भूमि संरक्षण विभाग के अनुभवी अधिकारियों की एक टीम गठित की जाये। उन्होंने कहा कि गठित टीम द्वारा स्थानीय आवश्यकताओं को दृष्टिगत रखते हुए आगामी वित्तीय वर्ष-2018-19 के लिये भारत सरकार को स्वीकृत हेतु लगभग 100 करोड़ रूपए का वेटलैण्ड का प्रस्ताव बनाकर प्रस्तुत किया जाये। उन्होंने यह भी निर्देश दिये हैं कि आम नागरिकों को वेटलैण्ड स्थापित होने से प्राप्त होने वाली सुविधाओं एवं पर्यावरण तथा जल संरक्षण हेतु जागरूक कराया जाये। मुख्य सचिव मंगलवार को यहां राज्य स्तरीय वेटलैण्ड स्टीयरिंग कमेटी की 11वीं बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने निर्देश दिये हैं कि सिंचाई, वन एवं भूमि संरक्षण विभाग के अनुभवी अधिकारियों की गठित टीम द्वारा तैयार किये गये परियोजनाओं का विस्तृत विवरण आगामी दो माह में बैठक आयोजित कर प्रस्तुत की जाये। उन्होंने यह भी निर्देश दिये कि वेटलैण्ड स्टीयरिंग कमेटी की बैठक में पंचायती राज, राजस्व सहित अन्य सम्बंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों को विशेष आमंत्री के रूप में अवश्य आमंत्रित किया जाये।

सांसद तारिक अनवर की अचानक तबीयत बिगड़ी, एयर एम्बुलेंस से भेजे गए दिल्ली

कटिहार (ईएमएस)। सोमवार देर रात राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के महासचिव व बिहार के कटिहार जिले के सांसद तारिक अनवर की तबियत बिगड़ जाने से उन्हें तत्काल रेलवे अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया गया। उन्हें उल्टी के साथ ब्लड मिश्रित दस्त की शिकायत थी। चिकित्सकों की टीम द्वारा लगातार उनका उपचार किया गया। करीब 12 घंटे तक आईसीयू में रखने व हालत में आंशिक सुधार के बाद उन्हें बेहतर इलाज के लिए मंगलवार दोपहर एयर एम्बुलेंस से दिल्ली ले जाया गया। सांसद अनवर को कटिहार से एम्बुलेंस द्वारा पूर्णिया के चुनापुर हवाई अड्डा लाया गया। वहां से एयर एम्बुलेंस से वे दिल्ली के लिए रवाना हुए। बता दें कि वे सोमवार की शाम पूर्णिया एक कार्यक्रम में भाग लेने गए थे। वहीं तबीयत ठीक नहीं लगने पर वे तत्काल कटिहार अपने आवास पर लौट आए थे। यहां देर रात तकलीफ बढने् पर उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। दिल्ली के डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल में उन्हें एडमिट जाने की खबर है। उनके आंत में रक्त स्त्राव होने की बात चिकित्सकों ने बतायी है। वे पूर्व से उक्त रक्तचाप व मधुमेह से ग्रसित हैं। राम मनोहर लोहिया अस्पताल से ही उनका उपचार चल रहा था। रेल अस्पताल के वरिष्ठ चिकित्सक के.के. मिश्रा के मुताबिक उनकी तत्काल आवश्यक जांच भी कराई गई। उन्हें आंत में आंतरिक रक्त स्त्राव की समस्या थी। उन्हें दो यूनिट रक्त चढ़ाया गया है।

कम्बल वितरण व जागरूकता शिविर का हुआ आयोजन

एटा (ईएमएस)। तहसील एटा सदर क्षेत्र के मारहरा विकासखण्ड परिसर में विशाल कम्बल वितरण एवं अन्य विकास योजनाओं का जागरूकता शिविर लगाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में क्षेत्रीय सांसद राजवीर सिंह राजू भईया, विशिष्ट अतिथि के रूप में क्षेत्रीय विधायक वीरेन्द्र सिंह लोधी ने षिरकत की। सांसद, क्षेत्रीय विधायक एवं डीएम द्वारा विकासखण्ड प्रांगण में स्वास्थ्य विभाग, बेसिक शिक्षा विभाग, बाल विकास विभाग, पंचायतीराज, भूमि सुधार, कौशल विकास मिशन, उद्यान विभाग आदि द्वारा लगाये गये जागरूकता स्टालों का भी निरीक्षण किया। इस दौरान अतिर्थियों के सम्मान में कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय पिवारी की छात्राओं द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। क्षेत्रीय सांसद राजवीर सिंह राजू भईया ने विशाल कम्बल वितरण कार्यक्रम, विकास योजनाओं के जागरूकता शिविर में मौजूद गरीब व्यक्तियों, निर्धनों, असहायों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश एवं केन्द्र सरकार द्वारा गरीबों के हित में अनेकों जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित की गई है। गरीबों को सभी जरूरतमंद सुविधाएं उपलब्ध कराना ही मिशन अन्त्योदय का लक्ष्य है। यह अभियान तभी सफल होगा जब गांव के अंतिम व्यक्ति तक योजना का लाभ पहुंचेगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार गरीबों को लाभ दे रही है, इसलिए हर प्रकार की सुविधा का लाभ उठायें। गरीब को ठण्ड से बचाव हेतु ही निशुल्क कम्बल वितरण कराये जा रहे हैं। सरकार के प्रयास से आगामी 2022 तक हर घर पक्का तो होगा ही, साथ ही हर घर में उजाला भी होगा। सबका साथ सबका विकास के आधार पर सरकार कार्य कर रही है, किसी भी व्यक्ति के साथ भेदभाव नहीं होना चाहिए। क्षेत्रीय विधायक वीरेन्द्र सिंह लोधी ने कहा कि प्रदेश सरकार का उद्देश्य गरीबों की हर संभव मदद करना है। सांसद राजवीर सिंह राजू भईया ने विशाल कम्बल वितरण कार्यक्रम, विकास योजनाओं के जागरूकता शिविर में मौजूद गरीब व्यक्तियों, निर्धनों, असहायों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश एवं केन्द्र सरकार द्वारा गरीबों के हित में अनेकों जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित की गई है। गरीबों को सभी जरूरतमंद सुविधाएं उपलब्ध कराना ही मिशन अन्त्योदय का लक्ष्य है। यह अभियान तभी सफल होगा जब गांव के अंतिम व्यक्ति तक योजना का लाभ पहुंचेगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार गरीबों को लाभ दे रही है, इसलिए हर प्रकार की सुविधा का लाभ उठायें। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार गरीबों को लाभ दे रही है, इसलिए हर प्रकार की सुविधा का लाभ उठायें। गरीब को ठण्ड से बचाव हेतु ही निशुल्क कम्बल वितरण कराये जा रहे हैं। सरकार के प्रयास से आगामी 2022 तक हर घर पक्का तो होगा ही, साथ ही हर घर में उजाला भी होगा।गरीब को ठण्ड से बचाव हेतु ही निशुल्क कम्बल वितरण कराये जा रहे हैं। सरकार के प्रयास से आगामी 2022 तक हर घर पक्का तो होगा ही, साथ ही हर घर में उजाला भी होगा। मुख्यमंत्री द्वारा गरीबों को सर्दी के बचाव हेतु निशुल्क कम्बल वितरण किये जाने का निर्णय काफी सराहनीय है। मिशन अन्त्योदय को सफल बनाने में सभी अपना सहयोग करें, सरकार का प्रयास है कि हर परिवार में खुशहाली आए। डीएम अमित किशोर ने कहा कि प्रदेश सरकार के आह्वान पर जनपद में गरीबों को चिन्हांकित करने के उपरान्त कम्बल वितरण कराये जा रहे हैं। इसके साथ ही गांव में गरीबों की आर्थिक स्थिति में सुधार लाने हेतु मनरेगा योजना के तहत उन्हें गांव में ही काम दिया जा रहा है।

समस्या निस्तारण ना होने पर भाकिमयू 28 को करेगी प्रदर्शन

शाहजहांपुर (ईएमएस)। भाकिमयू के नेताओं ने गन्ना किसानों से संबंधित तेरह सूत्रीय ज्ञापन सौप का चीनी मिल प्रबंधक से की 27 दिसंबर तक निस्तारण की मांग की अन्यथा 28 को आंदोलन करने की चेतावनी दी। तिलहर चीनी मिल प्रबंधक अतुल खन्ना को भारतीय किसान मजदूर यूनियन राष्ट्रवादी के नेताओं ने गन्ना किसानों से संबंधित 13 समस्याओं का ज्ञापन देकर 27 दिसंबर तक उनका निस्तारण करने की मांग की है। मंगलवार को संगठन कार्यालय पर एकत्रित किसान नेताओं कार्यकर्ताओं ने तिलहर चीनी मिल की प्रबंधन नीति एवं गन्ना नीति को जमकर कोसा किसानों की समस्याओं से आक्रोशित संगठन के जिला उपाध्यक्ष योगेंद्र पाल शाक्य ने कहा की गन्ना किसानों का पिछले एवं मौजूदा सत्र का भुगतान शीघ्र किया जाए जिनके ठेकेदारों के पास सेंट्रो का ठेका है ट्राले हटाकर ट्रक लगाये जाए। छोटे गन्ना किसानों को तत्काल पर्चियां उपलब्ध कराई जाए करोड़ों रुपए का संयंत्र लगने के बाद भी मिल की राख आबादी वाले क्षेत्र तथा खेतों में जा रही है जिससे मानव स्वास्थ्य पर गंभीर असर पड़ा है इस पर तत्काल नियंत्रण किया जाए। चीनी मिल के गन्ना सदस्यों को आवश्यकता अनुसार चीनी उपलब्ध कराई जाए। तहसील अध्यक्ष प्रमोद वर्मा ने आक्रोशित लहजे में कहां की गन्ना फार्म प्रत्येक वर्ष घाटे में जा रहा है उसको ठेके पर दिया जाए।

गन्ना किसानों को मिल में गन्ना लाने के बाद 3 दिन के बाद उनके पशुओं के चारे की व्यवस्था मिल प्रशासन द्वारा की जाए, सभी गन्ना किसानों को पर्ची कैलेंडर जारी किए जाए तथा जिन किसानों के पास गन्ना दिखाएं उनके बाण्ड भराये जाए। प्रमोद वर्मा ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि उपरोक्त सभी शिकायतों का निस्तारण 27 दिसंबर तक नहीं किया जाता तो 28 दिसंबर को संगठन अनशन रोड जाम जेल भरो आंदोलन करने को बाध्य होगा।

अपना दल एस ने गन्ना किसानों की समस्याओं को लेकर मुख्यमंत्री को भेजा ज्ञापन

बस्ती,(ईएमएस) । गन्ना किसानों की समस्याओं के सवाल को लेकर मंगलवार को अपना दल 'एस' जिलाध्यक्ष विवेक कुमार चौधरी के नेतृत्व में पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं ने जिलाधिकारी कार्यालय के समक्ष प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री को सम्बोधित 8 सूत्रीय ज्ञापन उप जिलाधिकारी को सौंपा। प्रेस को जारी विज्ञप्ति के माध्यम से अपना दल अध्यक्ष विवेक कुमार चौधरी ने बताया कि पार्टी नेताओं ने गन्ना किसानों के साथ बभनान गन्ना समिति पर धरना दिया किन्तु हर्रैया उप जिलाधिकारी या उनका कोई प्रतिनिधि ज्ञापन लेने नहीं पहुंचा। कहा कि लोकतंत्र में अफसरशाही की यह मानसिकता दुर्भाग्यपूर्ण है। पार्टी उपाध्यक्ष रामकुमार पटेल ने कहा कि इस प्रकरण को पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ ही केन्द्रीय मंत्री श्रीमती अनुप्रिया पटेल तक ले जाया जायेगा।

मुख्यमंत्री को भेजे 8 सूत्रीय ज्ञापन में बभनान चीनी मिल द्वारा सभी प्रजातियों के गन्ने की खरीदारी किये जाने, समान पर्ची, समान कालम की व्यवस्था किये जाने, क्रय केन्द्रों पर ढुलाई की समुचित व्यवस्था कराये जाने, गन्ना बीज के नाम से किसानों के खातों से कटौती बंद हो।

ईश्वर पर भरोसा करने वाले सत्ता का दुरुपयोग नहीं करते: मोदी

पटना (ईएमएस) बिहार के उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी ने ट्वीट कर कहा है कि घोटाला तो सात पीढ़ियों के लिए संपत्ति बनाने की लिप्सा का परिणाम है, साजिश नहीं। उन्होंने कहा कि चारा घोटाला के एक और मामले में दोषी पाए गए लालू प्रसाद जब जेल पहुंच गए, तब राबड़ी देवी जहां ईश्वर पर विश्वास की बात कहने लगीं, वहीं उनकी पार्टी के नेता न्यायपालिका पर अविश्वास करने वाले बयान देने लगे। सुशील मोदी ने कहा कि जो ईश्वर पर भरोसा करते हैं, वे सत्ता का दुरुपयोग नहीं करते। चारा घोटाले के सबूत बिहार सरकार की उन 60 फाइलों में मिले, जिन्हें सीबीआई ने छापा मार कर बरामद किया था।

मछुआरा प्रकोष्ठ ने किया पालिका अध्यक्ष का स्वागत

बस्ती (ईएमएस)। मछुआरा प्रकोष्ठ और जलांचल प्रगति पथ की ओर से मंगलवार को प्रेस क्लब में नगर पालिका परिषद की नव निर्वाचित अध्यक्ष श्रीमती रूपम मिश्रा का स्वागत कर समस्याओं के समाधान हेतु ज्ञापन सौंपा गया। मांग किया गया कि निषादराज 'गुह्य' की शहर के किसी प्रमुख चौराहे पर प्रतिमा स्थापित कर निषाद बस्तियों को मलिन बस्ती में शामिल किया जाय। जलांचल प्रगति पथ अध्यक्ष रामलगन उर्फ पल्लू निषाद ने कहा कि निषाद समाज गरीब भले हो किन्तु उसकी वफादारी पर संदेह

नहीं किया जा सकता। मांग किया कि शहरी क्षेत्र के निषाद बस्तियों में सड़क, बिजली, पेयजल और शुलभ शौचालयों की व्यव-स्था सुनिश्चित कराया जाय। पालिका अध्यक्ष रूपम मिश्रा ने ज्ञापन लेते हुये कहा कि जो सुझाव प्राप्त हुये है उसे बोर्ड की बैठक में रखा जायेगा। प्रयास होगा कि विन्दुवार समस्याओं का प्रभावी ढंग से निस्तारण हो। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता पुष्कर मिश्र ने निषाद समाज के प्रति आभार व्यक्त करते हुये कहा कि शहर स्वस्थ, सुन्दर, सुशील बनें इसके लिये सामूहिक प्रयास की जरूरत है। सबको अपनी भागीदारी निभानी होगी।

यूपी दिवस के मौके पर विभिन्न क्षेत्रों की महान विभूतियों को किया जाये सम्मानित: मुख्य सचिव

लखनऊ (ईएमएस)। मुख्य सचिव राजीव कुमार ने निर्देश दिये हैं कि आगामी 24 जनवरी को यूपी दिवस के अवसर पर साहित्य, शिक्षा, उद्योग, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, नवाचार, प्रशासन, संस्कृति, खेल एवं कृषि आदि क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ अर्जित करने वाले प्रदेश के महान विभूतियों को सम्मानित कराने के लिए आवश्यक कार्यवाहियाँ विभागवार प्राथमिकता से सुनिश्चित कराई जायें। उन्होंने यह भी निर्देश दिये कि विगत 23 दिसम्बर को किसान दिवस के अवसर पर अधिक पैदावार के लिए पुरस्कृत किसानों द्वारा विभिन्न जनपदों में लगभग 1000 किसान गोष्ठियों का आयोजन कराकर उन्नतशील बीज का उपयोग करने एवं अपनी उपज की अधिक पैदावार करने हेतु किसानों को जानकारियाँ उपलब्ध कराई जायें। उन्होंने कहा कि आगामी 24 घण्टे में सम्बंधित विभाग विभागवार योजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास कराने हेतु विस्तृत सूची निर्धारित प्रारूप में प्रमुख सचिव, सूचना को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। मुख्य सचिव मंगलवार को यहां आगामी 24 जनवरी को आयोजित होने वाले उत्तर प्रदेश दिवस कार्यक्रम के भव्य आयोजन के लिए विभागीय अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दे रहे थे। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश की थीम उत्तर प्रदेश का नवनिर्माण होगा। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश राज्य के गठन पर लगभग पांच मिनट की मल्टीमीडिया फिल्म का निर्माण कराया जाये जिसमें उत्तर प्रदेश के संक्षिप्त इतिहास के साथ-साथ प्रदेश के आगामी 15 वर्षों के विकास का विजन अवश्य प्रदर्शित कराया जाये।

गंगा में डूबी 14 लोगों से भरी नाव, 5 लापता

पटना (ईएमएस)। बिहार के खगड़िया में मंगलवार को नाव डूबने की घटना सामने आई है जिसमें 5 लोग लापता हैं। ये घटना परबत्ता थाना के तेमथा करारी गंगा घाट पर हुई है जहां 14 लोगों से भरी नाव डूब गई। मिल रही जानकारी के मुताबिक ये सभी लोग नाव में सवार होकर दियारा इलाके से घास लेने जा रहे थे कि अचानक नाव डूबने से हादसा हो गया। नाव डूबने के बाद 9 लोग को तरकार सुरक्षति बाहर निकल आए लेकिन 5 लोगों अब तक लापता है। हालांकि गायब लोगों की संख्या के बारे में किसी तरह की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। महाजाल और नाव के जरिए लापता लोगों की खोजबीन जारी है। बात दे कि बिहार से अक्सर नाव डूबने के खबरें आती रहती हैं,कुछ समय पहले ही बिहार में गंगा और बागमती नदी में दो नौकाएं डूबने से 10 लोग लापता हो गए थे। बागमती नदी में डूबी नाव में 20 लोग सवार थे। वहीं गंगा नदी में बड़ा हादसा हुआ था जहां डूबने से 6 युवाओं की मौत हो गई थी।

फिर शुरू हुई डीजीपी बनने की रेस

लखनऊ (ईएमएस)। उप्र पुलिस के सवोच्च पद यानि पुलिस महानिदेषक (डीजीपी) पद पर तैनाती को लेकर एक बार फिर कुर्सी दौड़ शुरू हो गयी है। वर्तमान में सूबे के डीजीपी सुलखान सिंह का 31 दिसम्बर को सेवानिवृत्त हो रहे हैं। हालांकि वे सेवानिवृत्त पहले ही हो चुके थे लेकिन उन्हें छह माह का सेवा विस्तार मिल गया था। अब यह अवधि भी 31 दिसम्बर को समाप्त हो रही है। सत्ता के गलियारों में चर्चा है कि इस बार भी उन्हें फिर से सेवा विस्तार मिल सकता है। वहीं दूसरी ओर इस सवोच्च पद के अन्य दावेदार भी इसे हासिल करने के लिए 'गणेष परिक्रमा' में जुट गए हैं। सूबे के वर्तमान डीजीपी सुलखान सिंह की संभावित विदाई के बाद इस पद की दौड़ में 1982 से लेकर 1987 बैच तक के कई डीजी के नाम शामिल हैं। सूत्रों के मुताबिक उच्च स्तर पर इस बात को लेकर मंथन हो रहा है कि कौन अफसर प्रदेश की कानून-व्यवस्था और आपराधिक चुनौतियों का मुकाबला प्रभावी ढंग से कर सकता है। सुलखान सिंह ने इसी वर्ष 21 अप्रैल को डीजीपी का कार्यभार संभाला था। वरिष्ठता क्रम में 1982 बैच के डीजी अग्निशमन प्रवीण सिंह और डीजी होमगार्ड डॉ. सूर्य कुमार शुक्ल हैं। सपा शासनकाल में दोनों डीजी प्रदेश पुलिस का मुखिया बनने से रह गए थे। दोनों ही अफसर वर्ष 2018 में ही सेवानिवृत्त हो रहे हैं। वहीं केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर तैनात 1984 बैच के आईपीएस अधिकारी डीजी एसएसबी रजनीकांत मिश्र का नाम भी लिया जा रहा है। वहीं 1987 बैच के आईपीएस अधिकारी डीजी अभिसूचना भवेश कुमार सिंह का नाम भी नए डीजीपी के तौर पर चर्चा में है। उधर, 1983 बैच के राजीव राय भटनागर और ओमप्रकाश सिंह केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर तैनात हैं। इन दोनों की भी प्रदेश की कमान संभालने की इच्छा है।

नोयडा में सगी बहनों की हत्या सरकार की नाकामी का नतीजा: अजय

लखनऊ (ईएमएस)। कांग्रेस विधानमण्डल दल के नेता अजय कुमार लल्लू ने मंगलवार को नोयडा के सेक्टर 49 के बरोला गॉव में दो सगी बहनों की हत्या कर उनके शव को पेड़ से लटकाये जाने की घटना को राज्य सरकार की नाकामी का नतीजा करार दिया है। यहां जारी बयान में कांग्रेस नेता ने कहा कि इस सरकार के 09 महीने के कार्यकाल में कानून व्यवस्था की स्थिति बुरी तरह से चरमरा गयी है। हत्या, बलात्कार, महिला एवं बाल उत्पीडन, अपहरण, फिरौती की घटनाओं में बेतहाषा बढ़ोत्तरी हुई है। लेकिन सरकार इस पर बिल्कुल ही गंभीर नहीं है। बीते सत्र में भी कांग्रेस पार्टी द्वारा सरकार से कानून-व्यवस्था की भयावह स्थिति पर विस्तृत चर्चा कराये जाने की मॉग की गयी तथा सरकार का ध्यान आकृष्ट कराया गया किन्तु सरकार ने गोलमोल जवाब दिया। उन्होंने कहा कि कानून व्यवस्था के वर्तमान स्थिति पर सरकार बिल्कुल ही गंभीर नहीं है।

नियम उल्लंघन पर गिरेगी आरटीओ की गाज

जनवरी महीने से ई-मेमो देगा आरटीओ

सूरत। शहर में ट्रेफिक व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के लिए परिवहन विभाग नित्य नये नुस्खे अपनाने के लिए कटिबद्ध है। अब आगामी जनवरी महीने से वाहन चालन के समय नियम का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों को आरटीओ की तरफ से ई-मेमो दिए जाने की योजना है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार लाइसेंस और वाहन पंजियन के लिए लांच किए गए सारथी और वाहन सॉफ्टवेयर के बाद अब आरटीओ विभाग ट्रेफिक नियम तोड़ने वाले वाहन चालकों को सीधे ई-मेमो पकड़ाएगा। ई-मेमो कटते ही आरटीओ में मेमो की पूरी डिटेल सेव हो जाएगी। राज्य परिवहन विभाग ने राज्य के तकरीबन 36 आरटीओ कार्यालयों में से सूरत समेत 23 आरटीओ में प्रायोगिकतौर पर ई-मेमो सिस्टम लागू करने के लिए पूरी तैयारी कर ली है। तमाम आरटीओ के एआरटीओ को इसके लिए टैबलेट जैसी मशीन दी जाएगी। यह कदम राज्य परिवहन मंत्रालय ने प्रदेश के सभी आरटीओ कार्यालय को हाईटेक करने की ओर बढ़ाया है। सारथी और वाहन सॉफ्टवेयर के बाद अब परिवहन विभाग ई-मेमो देने के फिराक में है। वर्ष 2017 खत्म होते ही जनवरी-2018 से यह नियम लागू कर दिए जाने की जानकारी सूत्रों ने दी है।

विजय रूपाणी ने मुख्यमंत्री और नितिन पटेल उप मुख्यमंत्री पद की शपथ ली

पीएम मोदी समेत 18 राज्यों के सीएम और डिप्टी सीएम रहे मौजूद

गांधीनगर (ईएमएस)। राज्यपाल ओ.पी. कोहली ने गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में मनोनीत विजय रूपाणी को मंगलवार को लगातार दूसरी बार बतौर मुख्यमंत्री पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। उप मुख्यमंत्री के तौर पर मनोनीत नितिनभाई पटेल को भी दूसरी बार राज्यपाल ने उप मुख्यमंत्री के रूप में शपथ दिलाई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणादायी उपस्थिति में आयोजित विजय रूपाणी एवं श्री नितिनभाई पटेल के इस शपथ ग्रहण समारोह में राज्यपाल ने राज्य मंत्रिमंडल के कैबिनेट स्तर के 8 एवं राज्य स्तर के 10 मनोनीत मंत्रियों को भी पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। राज्यपाल के समक्ष कैबिनेट मंत्री के रूप में आर.सी. फळदू, भूपेन्द्रसिंह मनुभा चूड़ास्मा, कौशिकभाई पटेल, सौरभभाई पटेल, गणपतसिंह वेस्ताभाई वसावा, जयेशभाई रादड़िया, दिलीपकुमार वीराजी ठाकोर एवं ईश्वरभाई परमार ने पद एवं गोपनीयता की शपथ ली। वहीं, राज्य मंत्री के रूप में प्रदीपसिंह भगवतसिंह जाडेजा, परबतभाई पटेल, पुरुषोत्तमभाई ओधवजी सोलंकी, बचुभाई मगनभाई खाबड़, जयद्रथसिंह चंद्रसिंह परमार, ईश्वरसिंह ठाकोरभाई पटेल, वासणभाई आहिर, विभावरीबेन दवे, रमणभाई पाटकर एवं किशोरभाई कानाणी (कुमार) ने शपथ ग्रहण की। शपथ ग्रहण समारोह में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमितभाई शाह, पूर्व उप प्रधानमंत्री एवं गांधीनगर के सांसद लालकृष्ण आडवाणी, वरिष्ठ अग्रणी एवं पूर्व मुख्यमंत्री केशूभाई पटेल, पूर्व मुख्यमंत्री शंकरसिंह वाघेला, पूर्व मुख्यमंत्री आनंदीबेन पटेल भी उपस्थित थे।

इसके अलावा, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष जीतुभाई वाघाणी एवं भाजपा के राष्ट्रीय अग्रणी वी. सतीष, भूपेन्द्र यादव, उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशवप्रसाद मौर्य एवं दिनेश शर्मा सहित संगठन के पदाधिकारी भी मौजूद थे। भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों में से उत्तराखंड के त्रिवेन्द्रसिंह रावत, आसाम के सर्वानंद सोनोवाल, उत्तर प्रदेश के योगी आदित्यनाथ, मध्य प्रदेश के शिवराजसिंह चौहान, छत्तीसगढ़ के डॉ. रमण सिंह, गोवा के मनोहर पर्रिकर, महाराष्ट्र के देवेन्द्र फड़णवीस, राजस्थान की वसुंधरा राजे, हरियाणा के मनोहरलाल खट्टर, झारखंड के रघुबर दास एवं बिहार के मुख्यमंत्री नीतीशकुमार इस शपथ ग्रहण समारोह में विशेष रूप से उपस्थित थे। केन्द्रीय मंत्रिमंडल के सदस्यों में राजनाथ सिंह, नितिन गडकरी, अनंत कुमार, नरेन्द्रसिंह तोमर, रामविलास पासवान, रविशंकर प्रसाद, डॉ. हर्षवर्धन, रामदास आठवले, पुरुषोत्तम रूपाला, मनसुखभाई मांडविया, जशवंतसिंह भाभोर, अनुप्रिया पटेल, पी.पी. चौधरी एवं गजेन्द्रसिंह शेखावत तथा विविध धर्म-संप्रदायों के परम आदरणीय संत-महंत, गणमान्य वरिष्ठ अग्रणी, सांसद एवं विधायकगण सहित विशाल संख्या में आम नागरिक भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री, उप मुख्यमंत्री एवं मंत्रियों ने संतों-महंतों से प्रत्यक्ष भेंट कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी समारोह स्थल पर पहुंचते ही संतों-महंतों से मुलाकात की तथा शपथ ग्रहण समारोह के बाद सभी मंत्रियों से मुलाकात कर उन्हें शुभकामनाएं दीं। आज सुबह से ही शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए सचिवालय परिसर के हैलिपेड मैदान पर विशाल संख्या में समर्थकों एवं कार्यकर्ताओं का हुजूम उमड़ पड़ा था।

प्रधानमंत्री का अहमदाबाद हवाई अड्डे पर गर्मजोशी के साथ स्वागत

अहमदाबाद (ईएमएस)। गुजरात के मुख्यमंत्री तथा मंत्रिमंडल के शपथ ग्रहण समारोह में शिरकत करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मंगलवार को अहमदाबाद हवाई अड्डे पर पहुंचे। यहां राज्यपाल ओ.पी. कोहली, मनोनीत मुख्यमंत्री विजय रूपाणी एवं उप मुख्यमंत्री नितिनभाई पटेल ने उनका गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। प्रधानमंत्री के स्वागत के लिए भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमितभाई शाह, गुजरात भाजपा अध्यक्ष जीतुभाई वाघाणी, अहमदाबाद के महापौर गौतमभाई शाह, मुख्य सचिव डॉ. जे.एन. सिंह, प्रभारी पुलिस महानिदेशक प्रमोद कुमार झा, कलक्टर अवंतिका सिंह, पुलिस आयुक्त ए.के. सिंह सहित वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। हवाई अड्डे से रैली के स्वरूप में श्री नरेन्द्र मोदी लोगों का अभिवादन स्वीकारते हुए गांधीनगर पहुंचे। प्रधानमंत्री का स्वागत लोक नृत्यों तथा विभिन्न वाद्य यंत्रों की सुमधुर सुरावलियों के बीच किया गया। प्रधानमंत्री ने भी हाथ उठाकर उत्साह के साथ लोगों का अभिवादन स्वीकार किया।

बांद्रा टर्मिनस-गांधीधाम सुपरफास्ट ट्रेन में एक अतिरिक्त शयनयान कोच

अहमदाबाद (ईएमएस)। यात्रियों की सुविधा और अतिरिक्त भीड़ को कम करने के उद्देश्य से पश्चिम रेलवे द्वारा ट्रेन संख्या 09433/09434 बांद्रा-टर्मिनस-गांधीधाम सुपरफास्ट विशेष एक्सप्रेस ट्रेन में तत्काल प्रभाव से बांद्रा टर्मिनस से छूटनेवाली ट्रेन में 30 दिसंबर 2017 से अस्थायी तौर पर एक अतिरिक्त शयनयान कोच जोड़ने का फैसला किया गया है।

कथावाचक गिरिबापू को शिव पार्वती विवाह की कथा सुनाने पर मिली मर्सिडीज कार

आणंद (ईएमएस)। गुजरात के कथावाचक गिरि बापू की 580 वीं शिवकथा के वाचन पर उन्हें यजमान ने एक मर्सडीज़ कार भेंट की। सोमवार को अप्रवासी भारतीय रश्मि भाई पटेल ने कन्यादान के रूप में गिरि बापू को यह कार भेंट की है। प्रदेश भाजपा में नरोत्तम मिश्रा और वी डी शर्मा को मिलेगी बड़ी जिम्मेदारी मर्सिडीज कार की कीमत 75 लाख रुपया बताई जा रही है रश्मि भाई मूलत: आंणद के रहने वाले हैं उन्होंने शिव कथा का आयोजन कराया था। मां पार्वती के विवाह में कन्यादान करने का संकल्प लिया था। कन्यादान करने के उपरांत उन्होंने कथावाचक को 75 लाख की कार भेंट कर दी।

सूरत। स्वच्छ भारत अभियान को मुह चिढाता जीवन ज्योत उधना के पास खाड़ी में पड़ा कचरा।

संवाददाता, सूरत। मकर सक्रांति के अवसर पर गुजरात भर में धुम-धाम से पतंग ओत्सव का आयोजन किया जाता है। जिसमें गुजरात से ही नहीं किंतू पुरे विश्व से पतंग बाज गुजरात पहुंचते है। पतंग बाजी के इस महोत्सव का शहर वासी आनंद उठा सके इसके लिए पतंग का मांझा तैयार करते कारिगर।

पीएम नरेन्द्र मोदी की दीर्घदृष्टि के चलते बदला कांकरिया का कलेवर: मुख्यमंत्री

कांकरिया कार्निवल-२०१७ का विजय रूपाणी ने किया शुभारंभ

अहमदाबाद (ईएमएस)। मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की दीर्घदृष्टि के चलते कांकरिया का कलेवर बदल गया है और आज वह विकास का पर्याय बन गया है। लगातार दसवें वर्ष सफलतापूर्वक आयोजित कांकरिया कार्निवल के शुभारंभ अवसर पर सोमवार को उन्होंने यह बात कही। उन्होंने कहा कि पहले कांकरिया सिर्फ एक तालाब था जबकि आज कांकरिया वर्ल्ड हेरिटेज सिटी का एक हिस्सा बन गया है और समग्र दुनिया उसे गौरव की दृष्टि से देख रही है। रूपाणी ने कहा कि कांकरिया ने सल्तनत काल से लेकर अनेक आंदोलनों का उतार-चढ़ाव देखा है। कांकरिया कार्निवल ने सद्भावना और सांस्कृतिक एकता के संस्कार सिंचन के साथ अमदावादियों में जोश भरने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि गुजरात की जनता विकास को समर्पित है और गुजरात के दसों दिशाओं में विकास के लिए हम संकल्पबद्ध हैं। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के जन्मदिन और ईसाइयों के त्योहार क्रिस्मस की शुभकामनाएं देते हुए उन्होंने कहा कि आज जनता को समर्पित निशाचर प्राणियों का नॉक्टर्नल ज़ू महानगर का नया नजराना साबित होगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने हेरिटेज मोबाइल एप, कांकरिया लेक एंड ज़ू एप सहित अहमदाबाद से संबंधित पुस्तक, कांकरिया कार्निवल-२०१७ और हेरिटेज संबंधित कॉफी टेबल बुक का लोकार्पण किया। उन्होंने वॉटर शो तथा लाइट एंड साउंड शो भी देखा। महापौर गौतमभाई शाह ने २५ से ३१ दिसंबर तक चलने वाले सात दिवसीय कांकरिया कार्निवल की रूपरेखा प्रस्तुत की। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के आज जन्मदिन का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि अटल जी द्वारा प्रशस्त किए गए सुशासन के मार्ग पर निरंतर नये विकास कार्यों के साथ अहमदाबाद 'लवेबल' और 'लिवेबल' बन रहा है। उन्होंने कहा कि अब तक ४.३४ करोड़ लोग कांकरिया घूम चुके हैं। इस मौके पर अहमदाबाद की ६०० वर्ष की गाथा दर्शाने वाली 'हूं अमदावाद छूं' की दृश्य श्राव्य मंचन के अलावा कलाकारों ने विविध रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी।

नई सरकार में सौराष्ट्र-कच्छ से मुख्यमंत्री समेत 6 मंत्री

अहमदाबाद (ईएमएस)। गुजरात विधानसभा चुनाव में सौराष्ट्र-कच्छ से करारी शिकस्त के बावजूद नई सरकार में इन क्षेत्रों का अधिक महत्व दिया गया है। सौराष्ट्र-कच्छ के राजकोट से मुख्यमंत्री के अलावा जामनगर दक्षिण से आरसी फलदु, बोटाद से सौरभ पटेल, जेतपुर से जयेश रादडिया को कैबिनेट मंत्री और भावनगर पूर्व से विभावरी दवे, भावनगर ग्रामीण से पुरुषोत्तम सोलंकी और कच्छ के अंजार से वासण आहिर को राज्य मंत्री बनाया गया है। कुल 20 सदस्यों के मंत्रिमंडल में सौराष्ट्र के 6 सदस्य यानि तीसरे हिस्से का संख्याबल सौराष्ट्र से है। अमरेली, सुरेन्द्रनगर, जूनागढ़ और मोरबी इत्यादि जिला मंत्रिमंडल में प्रतिनिधित्व से वंचित रहे हैं। मध्य और दक्षणि गुजरात से 5-5 सदस्यों को मंत्रिमंडल में स्थान मिला है। जिसमें दक्षणि गुजरात से मांगरोल से गणपत वसावा और ईश्वर परमार कैबिनेट मंत्री, सूरत के वराछा रोड से किशोर कानाणी, अंकलेश्वर से ईश्वर पटेल, उमरगाम से रमण पाटकर को राज्यमंत्री बनाया गया है। जबकि मध्य गुजरात से धोलका से भूपेन्द्रसिंह चूडास्मा को कैबिनेट, अहमदाबाद के वटवा से प्रदीपसिंह जाडेजा, देवगढ़ बारिया से बचुभाई खाबड़ और हालोल से जयद्रथसिंह परमार को राज्यमंत्री का दर्जा मिला है। इसके अलावा उत्तरी गुजरात के मेहसाणा से नितिन पटेल को उप मुख्यमंत्री, चाणस्मा से दिलीप ठाकोर को कैबिनेट मंत्री और थराद से परबत पटेल को राज्यमंत्री बनाया गया है। नए मंत्रिमंडल में 6 पाटीदारों को जगह मिली है, जिसमें 3 कडवा और 3 लेउवा पाटीदार हैं। जबकि 3 क्षत्रिय, 3 ओबीसी, 3 आदिवासी 1 ब्राह्मण, 1 कोली, 1 कोली पटेल और 1 जैन शामिल हैं।

सूरत। भुपेन्द्र पंडया की भगवत कथा की शोभा यात्रा वेड रोड से गुजरते हुए।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा तात्पीलोक पब्लिकेशन 152,153 श्री राम इंडस्ट्रीयल एरिया पांडेसरा सूरत 394210 से मुद्रत, एवं 4 ओ-ब्लाक आगम नवकार कॉम्पलेक्ष सचीन रेल्वे स्टेश के पास, सूरत, जि. सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **Tc.No. : GUJHIN00722**, E-mail: krantisamay@gmail.com